

उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यर्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण उपरत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगाने में सहायता की जाती है, सभी जाति के (SC, ST, OBC, GENERAL) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए-

पता: फायर सेप्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (नजीक स्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक दाला चौक, सुपेरीया बिल्डिंग, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क करें: मो. 76971212782

पारदर्शिता और सुविधा बढ़ाने की कोशिश
खाद्य विभाग का यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब राशन कार्ड बनवाने, नाम जोड़ने और हटाने जैसी प्रक्रियाओं में लोगों को अक्सर लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ता था। अब ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल सत्यापन और डाउनलोड योग्य राशन कार्ड की व्यवस्था से प्रक्रिया को सरल बनाने की कोशिश की गई है।

मुद्रों ने बताया कि एमएनटी से बिना रायल्टी के ही सैकड़ों हाईवा प्रतियोगी अलग-अलग राजनादोंवा पहुँच रहे हैं। एमएनटी और राजनादोंवा के बीच अन वही जिलों में रेत कारोबारियों ने बकाया साँठगाँठ कर रखी है। यही कारण है कि उन पर कोई कार्रवाई भी नहीं हो रही है। एमएनटी की रेत की सप्लाई अकेले राजनादोंवा नहीं है, बल्कि एमएमसी और केसीजी जिले तक की जा रही है। बहरहाल लोगों को ईस्वी रेत के लिए अब नवंबर माह तक का इंतज़ार करना पड़ जाएगा।



Clear
Comfortable
Confident

Start your
INVISALIGN
Journey today



Dr. Deepika Jain
BDS, FCCD(Mumbai), MDS Orthodontist
& Certified Invisalign Provider

SAMDA SUPERSPECIALITY HOSPITAL

Expert guidance | Personalized Treatment | Confident Smiles

Book Your Appointment : **☎ 07744-356654, 94255 29769**



योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाएं कार्यकर्ता अर्जुनी। मंडल भाजपा की मासिक बैठक शक्ति केंद्र किरगी में आयोजित की गई। बैठक में मंडल प्रभारी कैलाश शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक विचार आधारित संगठन है, जिसकी शक्ति उसके कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को बुध स्तर तक सक्रिय होकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का दायित्व निभाना होगा। श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। बैठक में मंडल अध्यक्ष भुवन साहू, अजय वैष्णव, दिनेश साहू, ममता पटेल, रेशमा साहू, भाविश निक्की, मनीष पटेल, संदीप साहू, दुर्गेश सिन्हा, लिकेश साहू, हिमांशु साहू, मामेश साहू, कुलेश्वर निषाद, पोखन साहू, रामखिलावन सोनी, बलराम साहू, भूषणदास साहू, चिंतामणि साहू, लोमेश हिरवानी आदि उपस्थित थे।

मुसराकला में किया गया पौधरोपण



डोंगरगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत मुसराकला में जनपद सीईओ भगवती साहू की उपस्थिति में पंचायत परिसर में नीम, जामुन, आंवला, आम, पीपल सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर जनपद सीईओ श्रीमती साहू ने पर्यावरण संरक्षण को बड़ी आवश्यकता बताते हुए ग्रामीणों से जल बचाने, स्वच्छता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। ग्रामसभा में सरपंच गायत्री शिव टेम्बुलकर ने जल संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जल संकट से बचने के लिए गांवों में अधिक से अधिक सोखता गड्ढों का निर्माण करने कहा ताकि पानी का संरक्षण हो सके और भू-जल स्तर में वृद्धि हो। इस मौके पर कमलेश देवांगन, रामकुमार मंगेशकर, पंचायत सचिव मोहित साहू, रोजगार सहायक भारती साहू, पंच तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मंडल प्रभारी से मुलाकात



डोंगरगढ़। लालबहादुर नगर मंडल के प्रभारी श्री ठाकुर से पीतांबर सिन्हा ने मुलाकात किया। श्री सिन्हा को जिला भाजपा ने मोदी जी के 12 साल के कार्यकाल की उपलब्धि के प्रचार के लिए संयोजक नियुक्त किया है। इस अवसर पर चंद्रिकाप्रसाद डड्डेसेना, रेवाराम सिन्हा, नादर सिन्हा, बसदेव निषाद, जागेश्वर सिन्हा आदि उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुरेन्द्र श्रीवास्तव आ. प्रेमलाल श्रीवास्तव है जो कि गलत है। जिसे विलोपित कर मेरा सही नाम सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव आ. प्रेमलाल श्रीवास्तव दर्ज किया जावे।

शपथकर्ता
सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
आ. प्रेमलाल श्रीवास्तव
मकान नं. 248, हिममोती लाईन,
बांसपाई पारा, राजनांदगांव

खस्ताहाल व्यवस्था के बीच शुरू होगा स्कूलों में नया शिक्षा सत्र

हरिभूमि न्यूज ॥ चारभांठा

हफ्ते भर में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो जाएगा जिसके साथ ही स्कूलों में बच्चों की चहल पहल बढ़ जाएगी। स्कूलों की वर्तमान दशा को देखकर लगता है कि बच्चों को इस बार भी खस्ताहाल और अधूरी सुविधाओं के बीच पढ़ने को मजबूर होना पड़ेगा। डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत आने वाले स्कूलों की जो जमीनी हकीकत है वह बेहद चिंताजनक है।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चारभाठा बोर्ड परीक्षाओं के बेहतर रिजल्ट देता रहा है। पिछले सत्र में यहां

कुल 350 छात्र थे। यहाँ 12वीं तक गणित, विज्ञान, कृषि, वाणिज्य व कला संकायों की पढ़ाई की व्यवस्था है। इस स्कूल की एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि यहां संसाधनों और कक्षों का अभाव है। स्कूल प्रबंधन जैसे-तैसे जुगाड़ कर छात्रों के बैठने के लिए व्यवस्था तो बना लेता है, लेकिन शिक्षा के लिए जरूरी अन्य बुनियादी सुविधा जैसे लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स रूम और स्काउट गाइड रूम का अभाव है। इन आवश्यकताओं को प्रशासन द्वारा नजरअंदाज करने का खामियाजा यह होता है कि बच्चे बुनियादी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं।



भवन से दूर शौचालय

कमरों की कमी के कारण कृषि और वाणिज्य संकाय की कक्षा मुख्य भवन से अलग बने दूसरे भवन में लगती हैं। दूसरे भवन में बैठने वाले छात्रों को बारिश के दिनों में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं भवन से कुछ दूरी पर शौचालय होने के कारण उन्हें भीगते हुए जाना पड़ता है।

डीएफओ के निर्देश पर कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप नदी से इमारती सागौन बरामद विभाग की पकड़ में आए तस्कर

हरिभूमि न्यूज ॥ गंडई पंडरिया

वनांचल में सक्रिय वन माफिया के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक किया है। वनमंडलाधिकारी पंकज राजपूत को क्षेत्र में प्रतिबंधित और इमारती सागौन के हरे-भरे पेड़ों की अवैध कटाई करने की शिकायत मिली थी। मामले की गंभीरता से लेते हुए डीएफओ ने टीम का गठन किया, जिसने दबिश देकर सागौन तस्कर को धर दबोचा। विभाग से भारतीय वन अधिनियम 1927 की धाराओं के अंतर्गत अपराध दर्ज किया है।

विभाग के पीओआर क्रमांक 19880/20 दिनांक 6 जून के अनुसार मगरकुंड बीट के कक्ष क्रमांक पी-11 में आरोपी राजाराम पटेल पिता सुखियार पटेल निवासी मगरकुंड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के पास से सागौन के 4 नग ट्रूट और मौके से 25 नग सागौन के लट्ठा-बल्ली जब्त किया गया है।



नदी में फेंकी गई री लकड़ियां

सूत्रों के मुताबिक 6 जून को टीम ने जब आरोपी के खलिहान से लगे जंगल में दबिश दी, तो वहां पंचनामा बनाकर लकड़ी छोड़ दिया गया था। अगले दिन जब टीम दोबारा पहुंची तो लकड़ी वहां से गायब थी। तस्कर ने पकड़े जाने के डर से सागौन की बल्लियों को नदी में फेंक दिया था। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने पानी से लकड़ियों को बाहर निकाला और पैलीमेटा बीट में सुरक्षित रखवाया है।

टीम में यह थे शामिल

शिकारत पर तुरंत एक्शन लेते हुए डीएफओ पंकज राजपूत के निर्देश पर गठित की गई। इस टीम में वन विभाग के आला अधिकारी और मैदानी अमला शामिल थे। कार्रवाई के दौरान रेंजर संजीत मरकाम, डिप्टी रेंजर सुशमा प्रसाद चनाब, संजय वर्मा, सद्दराम जंधेल, उत्तरा राजपूत, खेमकुमार धुव सहित अन्य उपस्थित थे।

डीसीए डोंगरगढ़ ने जीता क्रिकेट ट्रॉफी



जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच डीसीए डोंगरगढ़ और आरसीए राजनांदगांव के मध्य खेला गया। डीसीए डोंगरगढ़ ने पहले बल्लेबाजी की। शिवांश ने 43 रन, दीपांशु 103 रन और 162 रॉन पर नाबाद रहे। वहीं कप्तान कुणाल कश्यप 149 रन 80 बाल पर शानदार शतकों से पहली पारी में 6 विकेट पर 370 रन बना कर पारी घोषित कर दी। फाइनल में मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज डीसीए के कप्तान कुणाल कश्यप के नाम रही।

भाजपा की बैठक में सरकार की योजनाओं के प्रचार पर जोर

हरिभूमि न्यूज ॥ डोंगरगांव

मंडल भाजपा ने आत्मनिर्भर मंडल की दूसरी मासिक बैठक का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में किया। बैठक में पार्टी की नीतियां और आगामी कार्यक्रमों चर्चा की गई।इस दौरान संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, जनसंपर्क अभियान, पौधरोपण और योग दिवस की तैयारियां, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार करने पर चर्चा की गई। बैठक में मंडल प्रभारी हिरेंद्र साहू, सह प्रभारी हरीश शर्मा, भरत वर्मा, दिनेश गांधी, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, पूर्णिमा साहू, डिकेश साहू ने महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। भाजपा मंडल अध्यक्ष दीना पटेल ने नव



नियुक्त पदाधिकारियों का परिचय कराया। बैठक में गुलशन हिरवानी, रामकुमार गुप्ता, हेमंत चोपड़ा, सतीश

आसमानी बारिश से धरती को तर करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ॥ डोंगरगांव

मानसून की दस्तक से पहले जनपद पंचायत प्रशासन जल संचय के लिए मिशन मोड पर काम कर रहा है। मिशन जल रक्षा के तहत नदी नालों में बोरी बंधन किया जा रहा ताकि बारिश का पानी व्यर्थ बहने के बजाए जमीन में समाकर जल स्तर बढ़े साथ ही किसानों को सिंचाई सुविधा मिल सके। जानकारी के अनुसार मिशन जल रक्षा के तहत ग्राम पंचायत आसरा में बोरी बंधान कार्य किया गया। इसके पहले ग्राम पंचायत बड़गांव चारभाठा में जल स्तर बढ़ाने का प्रयास किया गया था जिसका सुखद परिणाम यह सामने आया कि गांव का जल स्तर जो 500 फिट नीचे चला गया था वह अब 100 फिट पर आ गया है।

जनप्रतिनिधियों ने सराहा

रविवार को जनपद पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने इस कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष रंजीता पड़ौती ने कहा कि बोरी बंधान जैसे छोटे-छोटे प्रयासों से जल संकट का समाधान संभव है। यह बंधान वर्षा के पानी को रोककर भू-जल स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जनपद सदस्य अनिता पंचारी ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया।



सिंचाई सुविधा बढ़ेगी

सरपंच शरद वैष्णव ने बताया कि सीमेंट की खाली बोरियों में रेत-मिट्टी भरकर बनाए गए इस अस्थायी बंधान से नाले का पानी रुकेगा, जिससे आसपास के खेतों को रबी सीजन में सिंचाई का लाभ मिलेगा। उपसरपंच अरुण बाई, अंशुमान वैष्णव, सचिव बिहारी लाल मंडावी, रोजगार सहायक कौशल कुंजाम एव पंचो ने कार्य को गुणवत्तापूर्ण बनाते हुए सराहना की। ग्रामीणों ने बताया कि इस बंधान से गांव में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और पशुओं के लिए भी पानी सुलभ होगा।

प्रयास लगातार जारी

जनपद सीईओ रौशन भगत टोप्पो और मनरेगा की प्रोग्राम ऑफिसर विद्या तामकर ने बताया कि कलेक्टर जितेंद्र यादव और जिला पंचायत सीईओ सुरजि सिंह के निर्देशन में मिशन जल रक्षा के तहत लगातार कम किया जा रहा है। ब्लाक की ग्राम पंचायत सुखरी, कु आठगांव, सालिकझिटिया, खन्हेरा में भी जल संरक्षित करने बोरी बंधान कार्य किया गया है। वर्षा ऋतु आने के पूर्व सभी छोटे नाले में बोरी बंधान कार्य करने अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल को संरक्षित किया जा सके।

लाइब्रेरी व्यवस्थित नहीं और जर्जर लैब

छात्रों से पूछने पर पता चला है कि स्कूल में अच्छी पुस्तकें तो उपलब्ध हैं, लेकिन लाइब्रेरी के व्यवस्थित संचालन व होने से पुस्तकें आलमारियों में बंद होकर व्यर्थ साबित हो रही हैं। स्कूल में जिस भवन का प्रैक्टिकल कक्ष रूप में उपयोग किया जाता है, वह 15 से 20 साल पुराना है। यह भवन खस्ताहाल हो चुका है। छत से पपड़ी गिर रही है और पानी का रिसाव होता है। इस खस्ताहाल भवन में हाल ही में बिजली की फिटिंग और अन्य काम कराया गया है जो खतरनाक साबित हो सकता है। बदहाली और हादसे के डर के कारण छात्र प्रयोगशाला के अंदर जाने के बजाय मैदान या बरामदे में ही प्रैक्टिकल करते हैं।

रात के अंधेरे में किसान ने बना दी रोड, पेड़ उखाड़े



■ मनरेगा के तहत बनी थी सड़क

हरिभूमि न्यूज ॥ सोमनी

ग्राम सांकरा में एक किसान ने मनरेगा अंतर्गत जेसीबी से रोड बनवा दी है। बड़ी बात यह है कि रोड बनाने के लिए किसान ने तीन से चार पेड़ों को भी उखाड़ कर फेंका है। रातों रात हुए इस काम की खबर दूसरे दिन सुबह जब ग्रामीणों को लगी तो गांव में हल्ला मच गया। जानकारी के अनुसार ग्राम सांकरा में कुछ दिन पहले ही लावलीबुड कालेज सामने स्थित डबरी में मनरेगा योजना के तहत काम हुआ है, जिसमें किसानों के खेत मार्ग के लिए रोड का काम कराया गया था।

जानकारी होने से इंकार

सरपंच पति ललित साहू ने बताया कि गांव में किसी जानकारी नहीं थी। रात को गांव के ही किसान ने काम कराया है। दूसरे दिन सूचना मिलने पर कटे पेड़ों को स्कूल परिसर में रखने कहा गया।

खेत मार्ग को चौड़ा करने के लिए गांव के ही एक किसान ने रात को जेसीबी की मदद से मनरेगा अंतर्गत हुए कार्य को ध्वस्त कर चौड़ा रास्ता बना दिया है। किसान ने डबरी के किनारे लगे तीन से चार पेड़ों को उखाड़ दिया है। काम की सूचना ग्राम पंचायत को नहीं दी गई, जिसे लेकर लोगों में रोष है।

इकरा फाउंडेशन ने बांटी पाठ्य सामग्री

हरिभूमि न्यूज ॥ गंडई पंडरिया

शिक्षा के क्षेत्र में बीते आठ वर्षों से निरंतर कार्य कर रहे संगीत नगरी खैरागढ़ के इकरा फाउंडेशन ने एक सराहनीय पहल की। संस्था ने कक्षा पहली से बारहवीं तक के तकरीबन 40 जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण किया।

लाभावि्त बच्चे गंडई और नर्मदा क्षेत्र के हैं। इस दौरान इकरा फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य अब्दुल रज्जाक खान, सैयद जाकिर अली, अध्यक्ष खलील कुरैशी, फारुख मेमन, हाजी रिजवान मेमन, शमशुल हौदा खान, मो. याहिया नियाजी, रियाजुद्दीन कादरी, जुनेद खान, गंडई मुस्लिम जमात के सदर जावेद खान, अय्यूब कुरैशी, शेख कलीम, यावर नियाजी, मो. सिराज खान और अधिवक्ता गजाला निशा उपस्थित थे।

गरीब और जरूरतमंद बच्चों को मिली मदद



प्रयास जारी रहेगा
 संस्था के कोषाध्यक्ष शमशुल हौदा खान ने कहा कि बच्चे ही देश और समाज के भविष्य हैं और संस्था उन्हें उच्च शिक्षा अर्जित करने में हर संभव सहयोग करते रहेगी। संचालन शमशुल हौदा खान तथा अंत में आमार प्रदर्शन जावेद खान ने किया।

इकरा फाउंडेशन के अध्यक्ष खलील कुरैशी ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि इन बच्चों की खिदमत और बेहतर भविष्य के लिए सब ने इकरा फाउंडेशन को सिर्फ एक जरिया बनाया है। उन्होंने बच्चों की तरक्की की कामना करते हुए हर्ष जताया कि हर साल गंडई के बच्चों का परीक्षा परिणाम बेहतर आता है, जो बेहद गौरव की बात है। संस्था के फारुख मेमन ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इकरा फाउंडेशन की बुनियाद कुरान की आरत इकरा से जुड़ी है, जिसका शाब्दिक अर्थ हा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि समाज के बच्चे पूरी ईमानदारी से पढ़ाई कर नाम रोशन करेंगे। अय्यूब कुरैशी ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खैरागढ़ की यह टीम कई वर्षों से होनहार और जरूरतमंद बच्चों के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है। सदर जावेद खान ने इसे एक बेहद नेक सोच बताया और कहा कि फाउंडेशन की जितनी तरीफ की जाए कम है। सचिव मो. याहिया नियाजी ने बच्चों को आश्वस्त किया कि यदि वह ईमानदारी से मेहनत करेंगे, तो सफलता निश्चित मिलेगी।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN (PAINMANAGEMENT) | PILES | FERTILITY | GYNAE | SKIN

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic | Unit of Dr. Abhimanyu's Pain Relief Center
लेजर सचीन / शार सूत्र द्वारा आरसेना की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

> रात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > रूमिडिअरडिट > लिगामेंट के दर्द

> टाइटिअल > गोटफ एरवो > क्रोअल रोटटर > राटीर ने जकड़न

कांदा, गर्द, मायोंसॉन क सभी प्रकार के दर्द का इलाज

9 सिटी सेंटर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ☎ 9826446666

9 सेक्टर -7 कमल विलार, रायपुर (छ.ग.) ☎ 95224-66664, 62622-22003

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रारंभ

कवर्धा। सत्र 2026-27 में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग की सूचना संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों में ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कबीरधाम में वर्तमान सत्र के लिए डिग्री एवं डिप्लोमा स्तर के विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। संस्थान में डिग्री पाठ्यक्रम अंतर्गत डेटा साईंस, वीएलएसआई एवं पावर सिस्टम शाखाओं में प्रवेश उपलब्ध है। डेटा साईंस में 60 सीटें, वीएलएसआई में 60 सीटें तथा पावर सिस्टम में 60 सीटें निर्धारित हैं।

28 जून से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कवर्धा। जिले में आगामी 28 जून 2026 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के सफल संचालन एवं व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में यूनिसेफ बिलासपुर से पहुंचे सर्विलांस ऑफिसर डॉ विनय कौशिक द्वारा पोलियो टीकाकरण, पोलियो सर्विलांस व्यवस्था तथा नियमित टीकाकरण की आवश्यकता और महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ पर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। वहीं 29 और 30 जून को डोर टू डोर वैकसीनेशन होगा। कार्यशाला में बताया गया कि भारत को वर्ष 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पोलियो मुक्त घोषित किया जा चुका है। इसके बावजूद विश्व में अभी भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान इन दो देशों में पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में भारत में पोलियो वायरस के संभावित खतरे को देखते हुए लगातार सतर्कता बरती जा रही है तथा पोलियो सर्विलांस व्यवस्था को सक्रिय किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ►► कवर्धा

जिले के तरेगांव जंगल थाना क्षेत्र से एक बार फिर धर्मान्तरण का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि यहां मिसनरी से जुड़े कुछ लोगों द्वारा क्षेत्र के लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर चंगाईसभा में आमंत्रित किया गया था और धर्म परिवर्तन के लिए उन्हें प्रेरित किया जा रहा था। खबर ये है कि इस मामले में ग्रामीणों तथा हिन्दू संगठनों ने दो लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया है। अब पुलिस आरोपियों तथा ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के तरेगांव जंगल क्षेत्र के ग्राम लालमाटी गांव में उस समय बवाल खड़ा हो गया जब क्षेत्र के हिन्दू संगठनों और ग्रामीणों को इस बात की जानकारी

इलाज सहित दिए जा रहे अन्य प्रलोभन

ग्रामीणों का आरोप है क्षेत्र के लोगों को इलाज के नाम पर धर्मांतरण कराया जा रहा था। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान का भरोसा देकर उन्हें दूसरे धर्म को अपनाने के लिए कहा गया था। हालांकि, जब उनकी स्वास्थ्य समस्याओं में कोई सुधार नहीं हुआ तो कुछ लोग दोबारा स्नातन धर्म में लौट आए। लेकिन आरोप है कि स्नातन धर्म में वापसी करने वाले ग्रामीणों के ऊपर पास्टर द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है।



की जा रही है मामले की जांच

इस मामले में दोनों पक्षों द्वारा आवेदन दिया गया है। जिसमें एक पक्ष ने मारपीट का आरोप लगाया है और दूसरे पक्ष ने धर्मांतरण का आरोप लगाया है। दोनों ही मामलों की जांच की जा रही है। -धर्मेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक, कबीरधाम

दो पास्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज

बांती रात ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में गांव के दो पास्टर, एक फादर और रायपुर के एक अन्य फादर के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित लोगों को थाने बुलाकर पूछताछ की। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

मिली कि मिसनरी से जुड़े कुछ लोगों द्वारा चंगाईसभा का आयोजन कर क्षेत्र के ग्रामीणों को धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस जानकारी के बाद बड़ी संख्या में हिन्दू संगठन जुड़े लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और उन्होंने ग्रामीणों को समझाईश दी। वहीं ग्रामीणों ने दो पादरियों को पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया है। पुलिस अब ग्रामीणों के बयानो के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने में जुटी है। लेकिन हिन्दू संगठनों का आरोप है कि पुलिस पादरियों के खिलाफ अपराध दर्ज नहीं कर रही है। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि चंगाई सभा की आड़ में बहला-फुसलाकर और प्रलोभन देकर बैगा आदिवासी परिवारों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था।

दुर्घटना: आग लगने का कारण अज्ञात, दो दमकल ने पाया आग पर काबू

पाण्डातराई के हार्डवेयर गोदाम में लगी भीषण आग, भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज ►► पाण्डातराई

भीषण गर्मी के इस दौर में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से अग्नि दुर्घटना की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। आलम ये है कि कभी किसी मकान में आग धधक रही है तो कभी कोई हार्डवेयर गोदाम जलकर खाक हो रही है तो कभी किसी राईश मिल तो कभी किसी कचरा गोदाम में आग लग रही है।

भीषण गर्मी में वाहन तक सुरक्षित नहीं है, आलम ये है कि खड़े और चलते वाहनो में भी आग लगने की कई घटनाएं अभी तक सामने आ चुकी है। अग्नि दुर्घटना का ताजा मामला जिले की नगर पंचायत मुख्यालय पाण्डातराई से सामने आया है। जहां मंगलवार की सुबह एक हार्डवेयर गोदाम में अचानक आग लग गई और दुकान में रखा सारा सामान खाक हो गया।

बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह करीब 8.00 बजे कुछ लोगों ने नगर पंचायत पाण्डातराई स्थित गुप्ता धर्मशाला

पीड़ित गोदाम संचालक को भारी नुकसान



गोदाम संचालक सुनील दास पिता राजेन्द्र दास साहेब की माने तो अभी तक गोदाम में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन ऐसी आशंका जताई जा रही है आग शर्ट सर्किट की वजह से लग सकती है। बहरहाल इस अग्नि दुर्घटना में गोदाम संचालक को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

जरूरतमंद दिव्यांगजन को मिला दिव्यांगता प्रमाण-पत्र व व्हीलचेयर



हरिभूमि न्यूज ►►कवर्धा

जिले के बोड़ला अंतर्गत ग्राम भुरसीपकरी निवासी ज्ञानसिंह धुर्वे को दिव्यांगता की जानकारी होने पर जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर उन्हें सहायक उपकरण प्रदान किया गया। ज्ञानसिंह धुर्वे का दुर्घटनावश पैर एवं कंधे की हड्डी टूट जाने के कारण दिव्यांग हो गए थे। चलने-

फिरने में असमर्थ होने के कारण वे लंबे समय से दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने में कठिनाई का सामना कर रहे थे। इस संबंध में जानकारी प्राप्त होते ही समाज कल्याण विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई। सचिव ग्राम पंचायत चेन्द्रादादर आल्हा सिंह करचाम, एवं रोहित कुमार, सचिव ग्राम पंचायत भुरसीपकरी के सहयोग से ज्ञानसिंह धुर्वे को जिला

चिकित्सालय कबीरधाम में संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उनका परीक्षण किया गया। जिसके उपरांत उन्हें 40 प्रतिशत चलन (लोकोमोटर) संबंधी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किया गया।

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी होने के तत्काल बाद समाज कल्याण विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उनकी आवश्यकता एवं पात्रता के अनुसार उन्हें व्हीलचेयर प्रदान की गई। व्हीलचेयर मिलने से अब उनके आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा दैनिक कार्यों को करने में भी सहायता प्राप्त होगी।

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं सहायक उपकरण प्राप्त होने पर ज्ञानसिंह धुर्वे ने छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि विभाग की संवेदनशील पहल और त्वरित कार्रवाई से उन्हें बड़ी राहत मिली है तथा उनके जीवन को अधिक सुगम बनाने में सहयोग प्राप्त हुआ है।

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई साइकिल रैली



हरिभूमि न्यूज ►►कवर्धा

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

यह रैली 07 जून 2026 को स्थानीय आउटडोर स्टेडियम से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, युवाओं, खेल प्रेमियों तथा नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका

परिषद कवर्धा के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चन्द्रवंशी ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साइकिल न केवल एक सुलभ एवं किफायती परिवहन का साधन है, बल्कि यह स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नियमित साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा प्रदूषण को कम करने में भी सहायता मिलती है।

ग्राम खैरबना खुर्द में जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश, 10 जुआरियों धरे गए

हरिभूमि न्यूज ►►कवर्धा

जिले में जुआ एवं सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बोड़ला एवं साइबर थाना की संयुक्त टीम ने ग्राम खैरबनाखुर्द में संचालित जुआ फड़ पर दबिश देकर 10 जुआरियों को रो हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 21,260 रुपये नगद, 7 एंड्रायड मोबाइल फोन, एक कीपैड मोबाइल तथा 52 पत्ती ताश की गड्डी जब्त की है। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 92,260 रुपये आंकी गई है। पुलिस की मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना बोड़ला क्षेत्र के ग्राम खैरबनाखुर्द में कुछ व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में विशेष टीम गठित कर मौके पर



रवाना किया गया। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दबिश दी, जहां 10 व्यक्ति जुआ खेलते पाए गए। पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से जुआ खेलने में प्रयुक्त सामग्री एवं नगदी बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों में सुभाष मानिकपुरी, अमरदास मोहले, भागीरथी लोड्डी, नरायण तिलकवार, दीनू पटेल, अमन वर्मा, प्रेमचंद पटेल, संजय पटेल, कोदाराम पटेल एवं सोनू मिरी शामिल हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम

के तहत विधिवत कार्रवाई की गई है तथा उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया जारी है। कार्रवाई में साइबर थाना प्रभारी उमाशंकर राठौर, थाना बोड़ला प्रभारी रूपाक्ष शर्मा सहित साइबर एवं बोड़ला पुलिस की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस को इस त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की क्षेत्र में सरहना की जा रही है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने कहा है कि जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी तथा अन्य असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद संतोष पाण्डेय से की मुलाकात

शिक्षकों की पूर्व सेवा गणना व विभागीय टेट की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ►► कवर्धा

बीस वर्ष के सतत व कठिन संघर्ष के बाद संविलियन के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग में आए शिक्षक संवर्ग की पूर्व सेवा गणना कर पूर्ण पुरानी पेंशन और सेवा सुरक्षा हेतु विभागीय टेट परीक्षा की मांग जोर पकड़ने लगा है। इसी तारनय में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी के नेतृत्व में अपने प्रयासों को गति दते हुए सांसद संतोष पाण्डे से मुलाकात कर इन मुद्दों की विस्तार से जानकारी प्रदान किया। चर्चा के दौरान एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि शिक्षकों के पेंशन निर्धारण के लिए सेवा की गणना संविलियन तिथि अर्थात एक जुलाई 2018 से किए जाने के कारण प्रदेश के सैकड़ों शिक्षक पुरानी पेंशन की लाभ से वंचित हो रहे हैं। संविलियन तिथि से दस वर्ष की सेवा पूर्ण कर पुरानी पेंशन की दायरे में

सांसद ने दिया आश्वासन, जायज मांगों को किया जाएगा पूरा



राजकिरण चन्द्रवंशी, सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र सोनी, बदी चन्द्रवंशी, शिव धुर्वे, राजेश चन्द्रवंशी, दिलीप धुर्वे, वतुर मेरावी, केदार चन्द्रवंशी, नरेंद्र चंदेल, महेंद्र गुप्ता, श्रीराम साहू, सनत तिवारी, राजेंद्र तलवरे, नरेश साहू, छवि निर्मलका, रामसिंग साहू, राजेंद्र निर्मलकर, प्रकाश केशरवार, संजय हठौले, रामधनी शर्मा, विनोद राजपूत, चिंता पटेल, गतपत पटेल, इश्राक खान, जलेश्वर साहू, रामसिंग धुर्वे, मिलन साहू, विजय पाण्डेय, पुरूषोत्तम साहू, राजकुमार चौरिया, उमेश नवरणे, हरौरी धुर्वे आदि उपस्थित रहे।

सांसद ने एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि शिक्षकों के इन वाजिब मुद्दों को प्रदेश की शिक्षा मंत्री के समक्ष रखकर समाधान की दिशा में कार्य करेंगे। इस दौरान प्रमुख रूप से एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा, गोकुल जायसवाल, जयप्रकाश चन्द्रवंशी, सुरतिथी साहू, राजेश तिवारी,

आने वाले शिक्षकों को न्यून पेंशन ही प्राप्त होगा, जो जिससे शिक्षकों को पेंशन देने का उद्देश्य ही पूरा नहीं हो पायेगा। न्यून पेंशन का कारण यह है कि पूर्ण पेंशन के लिए 33 वर्ष की सेवा आवश्यक है,

लेकिन संविलियन तिथि से सेवा गणना किए जाने के कारण 33 वर्ष की सेवा किसी भी शिक्षक का नहीं हो पा रहा है। इसका एकमात्र व बेहतर समाधान संविलियन से पहले की सेवा का गणना पेंशन के लिए मान्य किया जाना होगा। इसके साथ ही पूर्ण पेंशन के लिए छत्तीसगढ़ में निर्धारित 33 साल की सेवा अवधि को केंद्र सरकार के समान 20 वर्ष किया जाना आवश्यक है। सभी शिक्षकों के लिए टेट उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता के संबंध में हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बीस-पच्चीस साल से सेवारत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा का खतरा पैदा कर दिया है। इस संबंध में विभागीय सीमित शिक्षक पात्रता परीक्षा की मांग प्रमुखता से रखा गया। क्रमोन्नति के लिए निर्धारित दस साल की सेवा अवधि को एक बार के लिए घटाकर पांच वर्ष करने तथा राष्ट्रपति व राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को तीन साल की सेवावृद्धि व आउट ऑफ टर्न प्रमोशन की मांग पर भी चर्चा किया गया।

परेड में प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को दिया व्यावहारिक मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►►कवर्धा

कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनरल परेड के तहत मंगलवार को न्यू पुलिस लाइन रक्षित केंद्र, कबीरधाम में जनरल परेड का आयोजन किया गया। प्रातः 6 बजे आयोजित इस परेड की सलामी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल ने ली।

परेड का नेतृत्व परेड कमांडर एवं रक्षित निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने किया। परेड में उप पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑफ्स) संजय ध्रुव, जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी प्रभारी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं जवान शामिल हुए। इस दौरान पुलिस बल ने निर्धारित मानकों के अनुरूप अनुशासन, एकरूपता एवं समन्वय का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निरीक्षण के दौरान

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल ने प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को परेड संबंधी आवश्यक नियमों, प्रक्रियाओं एवं बारीकियों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने परेड के विभिन्न पहलुओं का सूक्ष्म अवलोकन करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा बेहतर नेतृत्व क्षमता और अनुशासन विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने परेड के दौरान परिलक्षित कमियों की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए उनमें सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

श्री बघेल ने कहा कि परेड केवल शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि पुलिस बल के अनुशासन, सजगता, आत्मविश्वास और कार्यकुशलता का महत्वपूर्ण माध्यम है। नियमित अभ्यास और सतत प्रशिक्षण से ही एक सक्षम एवं प्रभावी पुलिस बल का निर्माण संभव है।

खबर संक्षेप

घरेलू गैस सिलेंडर 1013

रुपए पहुंचा

कोलेगांव। छत्तीसगढ़ में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर बढ़ने से आम नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच गैस सिलेंडर के दाम 1013 रुपए तक पहुंच जाने से परिवारों का मासिक बजट प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए घरेलू खर्चों का संतुलन बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। बिजली, दूध, सब्जी, खाद्य सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बाद अब रसोई गैस के महंगे होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। आम परिवारों का कहना है कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि का सीधा असर उनकी बचत और दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। वहीं किसानों की परेशानी भी कम नहीं है। पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों के कारण लोगों-किसानी की लागत पहले ही बढ़ चुकी है। सिंचाई, जुताई, परिवहन और कृषि कार्यों में अधिक खर्च करना पड़ रहा है। ऐसे में घरेलू गैस सिलेंडर महंगा होने से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति पर दोहरा दबाव पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण आम नागरिकों के लिए घरेलू खर्चों का प्रबंधन करना चुनौती बनता जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में हो रही वृद्धि से परिवारों की आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं। नागरिकों ने सरकार से मांग की है कि रसोई गैस सहित दैनिक जरूरत की वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

माजपा का विभिन्न विषयों पर परिचर्चा बैठक



कोलेगांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा किसान मोर्चा, जिला कबीरधाम की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी के आदेशानुसार एवं उपस्थिति में एवं जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन पटेल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, किसान हितों से जुड़े विभिन्न विषयों एवं पार्टी द्वारा निर्धारित अभियानों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही प्रदेश किसान मोर्चा के नेतृत्व एवं निर्देशानुसार 14 जून को जिला कबीरधाम में आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी 14 मंडलों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को कार्यक्रम की सफलता हेतु आवश्यक जिम्मेदारियां एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

न्यायालय नजूल अधिकारी, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

ईशतहार

रा.प्र.क. 202605082200010, 34/20 (4)
 वर्ष 2025-26

एलए द्वारा सर्व सभाशय को सूचित किया जाता है
 आवेदक शेखर सोनी पिता स्व. छंदीलाल सोनी साक्षिक
 कर्मा जिला कबीरधाम जिला नगर नजूल कर्वाथ स्थित
 मुक्ति शीट क्रमांक 16 ए न-पृष्ठ 186/1 क्षेत्रफल
 136.00 वर्ग मी. शेखर सोनी पिता स्व. छंदीलाल सोनी
 साक्षिक कर्वाथ के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है।
 जिनमें से अवेदक के द्वारा क्षेत्रफल 75.51 वर्गमीटर पर
 ग्राउण्ड फ्लोर आवासिय प्रवेजन हेतु संलग्न नक्शे के
 अनुसार पक्का मकान (भवन) निर्माण किये जाने हेतु
 अनुमति प्रमाण पत्र प्रदान करने की मांग किया है।
 आवेदन पत्र के साथ भूमि का खतरा व नक्शा और
 प्रस्तावित मकान का साइट प्लान मय ईशतहार का नजूल
 सलत संलग्न किया गया है।

अतः इस अनुमति प्रमाण पत्र के संबंध में जिस
 किसी भी व्यक्ति, संस्था को उन्नर अथवा आपत्ति हो वे
 इस न्यायालय में दिनांक 11/06/2026 तक स्वयं अथवा
 अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते हैं।
 अतः आज दिनांक 28/05/2026 को इस न्यायालय के
 पद मुजुमद एवं हस्तक्षार से जारी किया गया है।

जारी दिनांक - 28.05.2026
 रोजी दिनांक - 11.06.2026

नजूल अधिकारी
 कबीरधाम

हरिनछपरा में बुनियादी सुविधाओं का संकट, पानी व जलभराव से ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज

जिला मुख्यालय से लगभग आठ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत हरिनछपरा इन दिनों बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। भीषण गर्मी के बीच गांव में पेयजल संकट, जलभराव, नाली निर्माण की कमी और अन्य आवश्यक सुविधाओं के अभाव ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीण जलेश

बघेल और गोरेलाल सिन्हा ने बताया कि गांव की पानी टंकी से जुड़ी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके कारण घरों तक नियमित जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। वहीं गांव का प्रमुख तालाब भी पूरी तरह मटमैला हो चुका है, जिससे उसका उपयोग निस्तारी कार्यों के लिए भी मुश्किल हो गया है।

ऐसी स्थिति में अधिकांश लोग निजी बोरवेलों के सहारे अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करने को मजबूर हैं। गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से समस्या और गंभीर हो गई है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी कई स्थानों पर जमा हो रहा है। विशेष रूप से वार्ड क्रमांक



फाइल फोटों

वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधे नहीं बच सके

देखरेख के अभाव में स्कूल परिसर से हरियाली गायब

हरिभूमि न्यूज

विश्व पर्यावरण दिवस, वर्षा ऋतु और विभिन्न वृक्षारोपण अभियानों के दौरान लगाए गए पौधों की सुरक्षा और देखरेख में लापरवाही का मामला बरबसपुर क्षेत्र में सामने आया है। जिला मुख्यालय से लगभग 5 से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल और हॉयर सेकेंडरी विद्यालय परिसरों में कभी पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया गया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि इन परिसरों में एक भी पौधा जीवित नजर नहीं आ रहा है।

विकासखंड कवर्था और विकासखंड बोड़ला के अंतर्गत आने वाले इन विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न अवसरों पर पौधे लगाए गए थे। उस समय पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई और संरक्षण के लिए भी संकल्प लिया गया था, लेकिन समय बीतने के साथ पौधों की देखरेख नहीं हो सकी, जिसके कारण अधिकांश पौधे शुरुआती अवस्था में ही सूखकर नष्ट हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालयों में नियमित जलवाहक और चपरासी की व्यवस्था नहीं होने से पौधों को समय पर पानी नहीं मिल पाया।

वहीं कई स्थानों पर पौधों की सुरक्षा के लिए लगाए गए तार और घरे भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे मवेशियों ने पौधों को नुकसान पहुंचाया। जिन विद्यालय परिसरों में बाउंड्रीवाल नहीं है, वहां स्थिति और भी गंभीर रही। खुले परिसर में घूमने वाले मवेशियों के कारण पौधों का संरक्षण



वृक्षारोपण केवल औपचारिकता

ग्रामीणों और पालकों ने बताया कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और परवरिश की जिम्मेदारी तय नहीं की गई, जिसके परिणामस्वरूप अभियान का उद्देश्य अधूरा रह गया। उनका कहना है कि पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप लें और परिसर को हरा-भरा बनाएं।

चपरासी व जलवाहक नियुक्ति की मांग

क्षेत्रवासियों ने शासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि सभी शासकीय विद्यालयों में चपरासी व जलवाहक की तत्काल नियुक्ति की जाए। इससे न केवल विद्यालय परिसरों की स्वच्छता और सुरक्षा बेहतर होगी, बल्कि पौधों की नियमित देखरेख भी सुनिश्चित हो सकेगी। ग्रामीणों ने शिक्षा मंत्री से भी इस मामले में संज्ञान लेने और आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है।

नहीं हो सका और वे धीरे-धीरे समाप्त हो गए। स्थानीय नागरिकों का मानना ​​है कि यदि पौधों की नियमित देखरेख की जाती, उन्हें समय पर पानी दिया जाता और सुरक्षा घरों का रखरखाव

किया जाता, तो आज विद्यालय परिसर हरियाली से आच्छादित दिखाई देते। स्कूलों का वातावरण भी अधिक स्वच्छ और प्राकृतिक होता, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलता।

पंचायत प्रतिनिधि समस्या को गंभीरता से उठाएं

ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों से भी मांग की है कि वे जनपद पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर इस समस्या को गंभीरता से उठाएं। उनका कहना है कि पेयजल संकट, बिजली व्यवस्था, नाली निर्माण, सीसी सड़क और पानी टंकी की पाइपलाइन मरुस्तत जैसे कार्यों के लिए संबंधित विभागों को तत्काल निर्देश दिए जाने चाहिए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि गांव के प्रमुख तालाब के पास अतिरिक्त जलस्रोत विकसित करने के लिए बोर खनन कराया जाए और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जलापूर्ति व्यवस्था को सुधारने के लिए शीघ्र कार्यवाई करें। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो गर्मी के मौसम में करीब दो हजार लोगों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर मूलभूत समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। ताकि गांव के लोगों को राहत मिल सके और बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

गौमाता राष्ट्र माता बने, देश में गौ-हत्या बंद हो: पं आनंद उपाध्याय

हरिभूमि न्यूज

ग्राम पलानसरी में गौ-रक्षा ग्राम रक्षा विश्व कल्याण के लिए आयोजित श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्री राम कथा के चौथे दिन पं आनंद उपाध्याय ने कहा कि संसार के प्राणियों के कल्याण के लिए दुर्गा माता ही गौ-माता बन करके आई हैं, भगवान शिवजी नंदी बने हैं, सरलता पूर्वक गौवंश की सेवा हो जाती है हर व्यक्ति गौ-वंश की सेवा कर सकता है। और भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त कर सकता है, हमारे सेवा करने से जब

गौ-वंश प्रसन्न हो जाते हैं, हमारी मनोकामना पूर्ण हो जाती है सिद्धियों की भी प्राप्ति हो जाती है। गौ माता धरती पर पाप होता है धरती पर जब अत्याचार बढ़ जाता है गौ-माता धरती का रूप धारण करके भगवान के पास जाती है। गौवंश सुखी रहेगा तो मानव जाति भी सुखी रहेगी, गाय बचेगी तो देश बचेगा, गाय सुखी रहेगी तो देश सुखी रहेगा, गाय बचेगी तो मानव जाति बचेगी, गाय के सुखी रहने से संपूर्ण मानव समाज सुखी रहेगा, जब गौ माता को दुख पहुंचाया जाता है गौ माता की हत्या की जाती है तो उसकी करुण पुकार उसकी वेदना भूकंप के रूप में ज्वालामुखी के रूप में है मृत्यु महामारी के रूप में मनुष्यों को कट

11 और मुख्य चौक के आसपास की गलियों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है। इससे लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वार्ड क्रमांक 11 के ग्रामीण राजेंद्र कुमार, आनंद, सोनू कुरें, लखन कुरें और दिलीप कुरें सहित अन्य लोगों ने वार्ड पंच दिनेश आनंद से नाली व सीसी सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सबसे पहले जलभराव की समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। ताकि लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

ग्रामीण पतरोई से घर को ढकने में जुटें

हरिभूमि न्यूज

ग्रामीण क्षेत्रों में कभी खपरा (मिट्टी की छत टाइल) से बने घरों की पहचान हुआ करती थी। गांवों में अधिकांश मकान खपरा से ढके रहते थे, जिससे घर गर्मी में ठंडे और रहने योग्य बने रहते थे। लेकिन समय के साथ पक्के मकानों का निर्माण तेजी से बढ़ा है, जिसके कारण खपरा का उपयोग लगातार कम होता जा रहा है। आज स्थिति यह है कि कई गांवों में खपरा आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले स्थानीय स्तर पर ही मिट्टी से खपरा तैयार किया जाता था और गांवों में इसकी पर्याप्त उपलब्धता रहती थी। लोग वर्षों तक खपरा वाले घरों में आरामदायक जीवन व्यतीत करते

थे। अब अधिकांश परिवार सरकारी आवास योजनाओं और अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार सीमेंट-कंक्रीट के पक्के मकान बना रहे हैं। इससे खपरा बनाने और बचने का परंपरागत समाप्त चुकी है। खपरा नहीं मिलने



के कारण कई ग्रामीण परिवार अपने पुराने मकानों को गन्ने की पतरोई (सूखे पत्तों) से ढकने के लिए मजबूर हैं। विशेष रूप से खपरा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में कई घरों में यह व्यवस्था देखने को मिलती है। ग्रामीणों के अनुसार गन्ने की पतरोई से ढकी छत गर्मी के मौसम में घर के

अंदर अपेक्षाकृत ठंडक बनाए रखती है और प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करने में मदद करती है। हालांकि यह व्यवस्था अस्थायी होती है और हर वर्ष इसकी मरम्मत या बदलाव की आवश्यकता पड़ती है।

दीदियों को प्रोत्साहित करने कार्यशाला आयोजित



व्यवहारिक ज्ञान, संसाधन व परिचर्चा बनेगी प्रगति की नींव।

हरिभूमि न्यूज

जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के 16 क्लस्टर लेवल फेडरेशन की दीदियों का एक

दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पंचायत प्रशिक्षण केंद्र ग्राम महाराजपुर में किया गया। कार्यक्रम में सीएलएफ की दीदियों और सामुदायिक केंद्रों के साथ ब्रेनस्टॉर्मिंग और को लर्निंग के सिद्धांतों पर कार्यक्रम किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर

व्यवहारिक ज्ञान के समावेश से मिलेंगे बेहतर नतीजे

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अखवाल ने चर्चा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण में नई पद्धति का समावेश कर इसे और भी रोचक बनाया गया। समूह की दीदियों को आपस में व्यापार बढ़ाने का सुझाव दिया गया। एक समूह द्वारा बनाए जा रहे उत्पादन की खपत उनके अपने क्षेत्र की दूसरी समूह या अन्य क्षेत्र के समूहों के पास हो सकता है। यह विचार एक की आवश्यकता दूसरे का व्यापार के सिद्धांत पर आधारित है। इसके साथ ही महिला उद्यमी के रूप में बेहतर कार्य करने वाले पीआरपी, एफएलसीआरपी एवं आरबीके को प्रशस्ति पत्र मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। समूह शक्तिकरण, आजीविका संवर्धन एवं सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले इन कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

पर उपलब्ध संसाधनों से हाथों को हुनरमंद बनाया जा सके और इन कार्यों में व्यवहारिक ज्ञान का समावेश करते हुए इसे सफलता के मुहाने पर पहुंचा जा सके। कार्यशाला के दौरान विभिन्न सीएलएफ के कार्यों, स्व-सहायता समूहों की प्रगति, आजीविका गतिविधियों,

वित्तीय समावेशन, बैंक लिंकेज एवं महिला शक्तिकरण से जुड़े कार्यों पर भी बात की गई। मिशन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान योजना से जुड़े जिला एवं जनपद स्तर की पूरी टीम विशेष रूप से उपस्थित थीं।

जिले में मानसून को देखते हुए संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए एडवायजरी जारी

DR. ABHIMANYU'S
 AYURVEDA MULTISPECIALIST HOSPITAL
PAIN | PANCHAKARMA | PILES | PREGN | GYNABG | SKIN

> रात ठण्डा > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > रूमिडरफ़ेडिटी > लिगामेंट के दर्द
 > टाइटनेस > गोटफा एल्वो > फोमल सोलर > रातरी ने जकड़न

कान, गर्द, माथेतिरों व सभी प्रकार के दर्द का उपचार

9 सिटी सेंटर - कृष्णा टॉकीज के सामने, सभता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ९826446666
 9 सेंटर - 7 कमल विलार, रायपुर (छ.ग.) ९5224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
 चयनपुत्र रूमिडरफ़ेडिटी सभी बीमारियों का उपचार

बिना पीरडरफ़ेड के वायसीर (पॉइस), फिटुला (मॉलर) फिस्ट, फिटुलिटिस राइडनर व

लेज़र मशीन /शार सूत्र द्वारा आपरेसन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130


सती चरित्र और 51 शक्तिपीठों की स्थापना

कथा को आगे बढ़ाते हुए आचार्य ने प्रजापति दक्ष के यज्ञ और माता सती के आत्मदाह का प्रसंग सुनाया। भगवान शिव के अपमान से कोपित होकर माता सती ने योगाग्नि में अपना देह त्याग दिया था। इसके बाद शिव जी के क्रोध और वीरमूढ़ द्वारा दक्ष के संहार का वर्णन हुआ। भगवान विष्णु ने अपने चक्र से सती के शरीर के खंड किए, जिनमें से 51 हिस्से पृथ्वी पर गिरे और वहां 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई। इसके बाद माता ने पर्वतारोह हिमालय के घर पार्वती (गौरी) के रूप में पुनर्जन्म लिया।

भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती का मंगल विवाह

कथा का सबसे मनमोहक प्रसंग शिव-पार्वती विवाह का रहा। सुमित महाराज ने बताया कि कैसे भगवान शिव मरुस लगाकर, गले में सर्पों की माला पहनकर और नंदी पर सवार होकर भूत-प्रेतों की अगोखी बारात लेकर माता पार्वती से विवाह करने पहुंचे। विवाह के इस मनमोहक प्रसंग पर पूरा पंडाल उत्सव में डूब गया। सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे में, और आज भोले की शादी है, जैसे सुगंधुर भजनों पर उपस्थित सभी माताएं और श्रद्धालु झुमने लगे। विवाह की जीवंत झांकी, टिकावन और भगवान की मंगल आरती के साथ तृतीय दिवस की कथा का विश्राम हुआ।